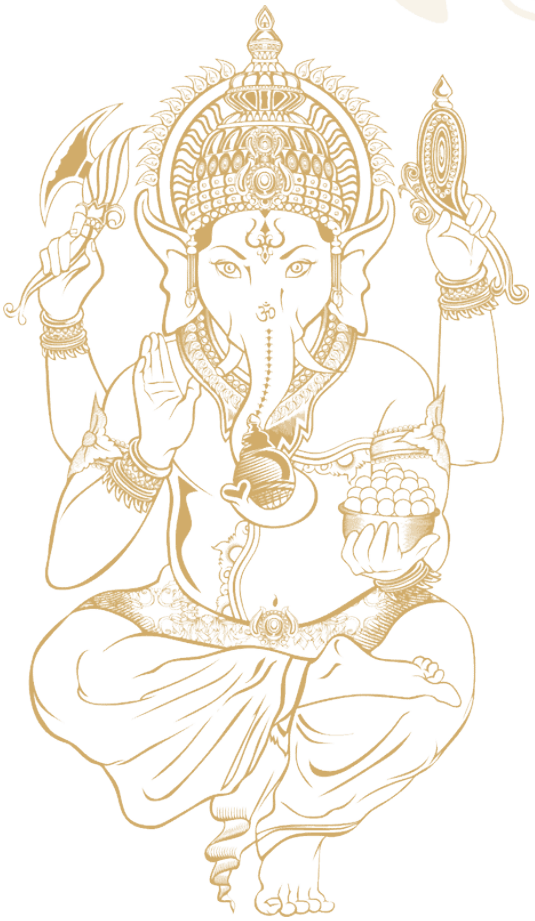

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121145906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/07/1999	जन्म तिथि	01/02/2000
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	10:27:00 घंटे
घटी 12:24:18	जन्म समय(घटी)	07:51:46 घटी
India	देश	India
Nawashahr	स्थान	Nawashahr
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:16	सूर्योदय	07:18:17
19:30:09	सूर्यास्त	17:59:51
23:50:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:16

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 7मा 1दि	01:36:50	कन्या	लग्न	मीन	22:25:52	केतु 6वर्ष 11मा 4दि
सूर्य	29:24:12	मिथु	सूर्य	मक	17:46:26	शुक्र
14/02/2021	10:18:40	सिंह	चंद्र	धनु	00:08:11	06/01/2007
15/02/2027	10:16:06	तुला	मंगल	कुंभ	27:50:47	06/01/2027
सूर्य 04/06/2021	15:13:45	कर्क व	बुध	मक	29:03:07	शुक्र 07/05/2010
चन्द्र 04/12/2021	08:38:41	मेष	गुरु	मेष	04:07:11	सूर्य 07/05/2011
मंगल 11/04/2022	07:55:46	सिंह	शुक्र	धनु	15:12:32	चन्द्र 05/01/2013
राहु 05/03/2023	21:37:40	मेष	शनि	मेष	16:48:24	मंगल 07/03/2014
गुरु 22/12/2023	19:09:31	कर्क	राहु	कर्क	09:51:42	राहु 07/03/2017
शनि 03/12/2024	19:09:31	मक	केतु	मक	09:51:42	गुरु 06/11/2019
बुध 10/10/2025	21:50:17	मक व	हर्ष	मक	22:38:52	शनि 06/01/2023
केतु 15/02/2026	09:24:10	मक व	नेप	मक	10:29:08	बुध 05/11/2025
शुक्र 15/02/2027	14:11:22	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:31:14	केतु 06/01/2027

लग्न-चलित

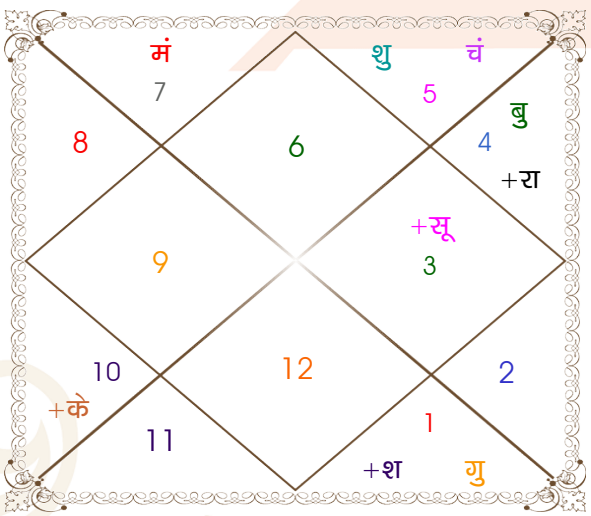

लग्न-चलित

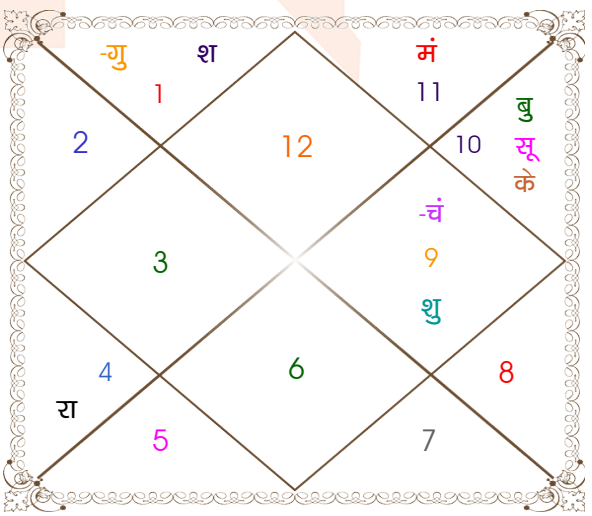

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

M का वर्ग मूषक है तथा F का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

F मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु M कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।